राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, उदयपुर

शिक्षाक्रम एवं मूल्यांकन विभाग

कक्षा 5 के लिए प्राथमिक शिक्षा अधिगम स्तर मूल्यांकन सत्र 2016–17

मूल्यांकन पत्रक/प्रश्न पत्र के निर्माण हेतु सामान्य दिशा–निर्देशः–

1. प्रत्येक मूल्यांकन पत्रक/प्रश्न पत्र का समय 2.30 घन्टे रखा गया है। तथा पूर्णांक 80 अंक निर्धारित किया गया है।
2. मूल्यांकन पत्रक/प्रश्न पत्र में प्रश्नों की संख्या 22 से 23 तक रखा जाना सुनिश्चित किया गया है।
3. विद्यार्थियों को प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए अलग से उत्तर पुस्तिकाएं नहीं दी जाएगी। प्रश्न–पत्र में ही उत्तर हेतु प्रश्नों के हल/उत्तर लिखने हेतु वांछित स्थान रखा गया हैं।
4. मूल्यांकन पत्रक का निर्माण कक्षा 5 के लिए राज्य द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम, पाठ्य–पुस्तकों एवं विषयवार अधिगम क्षेत्र व शैक्षिक उद्देश्य को सम्मिलित करते हुए (सड़क सुरक्षा के संबंधित अध्ययन सहित) के आधार पर किया जाना है।
5. एन.सी.एफ. 2005 एवं मूल्यांकन प्रक्रिया में आए नवीनतम बदलाव को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष से संशोधित ब्लूम्स टैक्सॉनमि 2001 (एण्डरसन एवं क्रोथ्वोल) के आधार पर प्रत्येक विषय (हिन्दी, गणित, अंग्रेजी और पर्यावरण अध्ययन) से संबंधित निर्धारित शैक्षिक उद्देश्यों एवं अधिगम सूचकों को ध्यान में रखते हुए नीलपत्र (ब्ल्यूप्रिंट) तैयार किए गए हैं। जिसके आधार पर प्रश्न–पत्र निर्माण किया जाना है।
6. जानकारी का स्मरण करना, समझना आयाम के साथ–साथ नील पत्र (ब्ल्यूप्रिंट) को तैयार करते समय यह सुनिश्चित किया गया है कि संज्ञानात्मक उच्च श्रेणियों जैसे–अनुप्रयोग करना, विश्लेषण करना, मूल्यांकित करना, सृजन करना, कौशल आदि को समुचित अधिभार दिया जाए। इसलिए मूल्यांकन पत्रक/प्रश्न पत्र निर्माण के दौरान यह बात ध्यान रखी जाए कि उच्चतर पाठ्यक्रमणीय कौशलों से संबंधित प्रश्न आवश्यक रूप से अधिभार के अनुरुप हो।
7. प्रश्न–पत्र में ब्ल्यू प्रिंट के अनुसार प्रश्नों को सम्मिलित किया जाए जैसे– बहुवैकल्पिक, अतिलघुत्तरात्मक, लघुत्तरात्मक, निबन्धात्मक।
8. मूल्यांकन पत्रक/प्रश्न पत्र निर्माण पाठ्यक्रम व शैक्षिक उद्देश्यों आधारित किया जाना है पाठ्यपुस्तक सहायक साधन के रूप में है तथा बच्चों में पाठ्यक्रम से अपेक्षित दक्षताओं को देखा जाना सुनिश्चित किया गया है। यहाँ यह ध्यान रखा जाना आवश्यक है कि प्रश्न इस प्रकार के हो जो बच्चों की दक्षताओं का आकलन करने में मदद करें ना कि सिर्फ उनकी रटने की क्षमता या याद रखने की क्षमता का आकलन करें। प्रश्न ऐसे हो जिससे यह आकलित किया जा सके कि छात्र/छात्रा ने पाठ्यक्रम में वर्णित क्षमताओं को प्राप्त किया है।
9. प्रश्न इस प्रकार के हो जो छात्र/छात्राओं को सोच–समझकर अपनी क्षमताओं का प्रयोग करके उत्तर देने के लिए प्रेरित करें और अवसर भी दें।
10. सोच–समझकर उत्तर देने वाले प्रश्न–पत्र बनाने के लिए यदि चित्र या रेखांकन किया जाना आवश्यक है तो उस प्रश्न के साथ ही अवश्य बनाएं। यह ध्यान रखें कि प्रश्नों को समझकर अपनी क्षमताओं का प्रयोग कर उत्तर देने के अवसर विद्यार्थियों को प्राप्त होने चाहिए।
11. मूल्यांकन पत्रक/प्रश्न पत्र निर्माण में सड़क–सुरक्षा को 4 अंक देना सभी विषयों में सुनिश्चित किया गया है जिसके तहत इन दक्षताओं के साथ इसे जाँचा जाना तय किया गया है। अतः प्रश्न–पत्र निर्माण के समय यह ध्यान रखा जाए कि इससे संबंधित प्रश्न अवश्य हों।
12. प्रश्न–पत्र के किसी एक प्रश्न में विषय की प्रकृति के अनुसार ब्ल्यू प्रिंट के आधार पर एक से अधिक शैक्षिक उद्देश्यों को सम्मिलित किया जा सकता है।
13. विभिन्न विषयों की प्रकृति के अनुसार इन नवीन नीलपत्रों के आधार पर प्रश्न–पत्रों का निर्माण किया जाए। एण्डरसन एवं क्रोथ्वोल द्वारा संशोधित टैक्सॉनमि के आधार पर निर्धारित उद्देश्य इस प्रकार है–

हिन्दी	गणित	अंग्रेजी	पर्यावरण अध्ययन
जानकारी करना एवं स्मरण करना।	जानकारी करना एवं स्मरण करना।	जानकारी करना एवं स्मरण करना।	जानकारी करना एवं स्मरण करना।
समझना	समझना	समझना	समझना

अनुप्रयोग करना	अनुप्रयोग करना	अनुप्रयोग करना	अनुप्रयोग करना
विश्लेषण करना	मूल्यांकित करना	सृजन करना	विश्लेषण करना
मूल्यांकित करना	सृजन करना		मूल्यांकित करना
सृजन करना			सृजन करना
			कौशल/प्रयोग करना (रचना)

विषयवार विद्यार्थियों के मूल्यांकन हेतु सीखने के निम्नलिखित सूचकों का निर्धारण किया गया है–

हिन्दी	गणित	अंग्रेजी	पर्यावरण अध्ययन
सुनकर समझना और समझकर बोलना	आकृति एवं स्थान की समझ	Learning with understanding	अवलोकन और दर्ज करना
पढ़ना व पढ़कर समझना	संख्या ज्ञान की समझ	Speaking with confidance	सम्प्रेषण कौशल (अभिव्यक्ति/चर्चा)
लिखना	संक्रियाओं की समझ	Reading with comprehension	वर्गीकरण करना
व्यावहारिक व्याकरण	मापन की समझ	Writing	व्याख्या/विश्लेषण करना
सृजनात्मक अभिव्यक्ति	ऑकड़ों का प्रबंधन एवं पैटर्न की समझ	Functional Grammar	प्रश्न करना
परिवेशीय सजगता			प्रयोग करना
			न्याय व समता के प्रति सरोकार
			एक दूसरे के कार्यों का सम्मान व गुणों की प्रशंसा करना

14. पर्यावरण अध्ययन में नीलपत्र तथा मूल्यांकन पत्रक/प्रश्न पत्र का निर्माण संशोधित टेक्सॉनमि के साथ–साथ उपर्युक्त सूचकों के आधार पर भी किया जाना है अर्थात् प्रत्येक प्रश्न किसी एक शैक्षिक उद्देश्य तथा किसी अधिगम सूचक से संबंधित होना चाहिए। इसलिए पर्यावरण अध्ययन के नीलपत्र को विस्तृत रूप से तैयार किया गया है जिनमें से एक विषयवस्तु एवं शैक्षिक उद्देश्यों और दूसरा विषयवस्तु एवं अधिगम सूचकों पर आधारित है। अतः पर्यावरण अध्ययन में नीलपत्र को ध्यान में रखते हुए मूल्यांकन पत्रक/प्रश्न पत्र तैयार किया जाना है।
15. प्रश्न–पत्र में प्रत्येक अधिगम सूचक से संबंधित प्रश्न एक ही समूह में दिए जाने है। प्रत्येक मूल्यांकन पत्रक/प्रश्न पत्र में विभिन्न प्रकार के प्रश्न (वस्तुनिष्ठ, अतिलघुत्तरात्मक, लघुत्तरात्मक तथा निबन्धात्मक) सम्मिलित किए जाने हैं। प्रत्येक अधिगम सूचक को शीर्षक भी दिया जाना है। इससे सूचक के अनुसार प्राप्तांकों की गणना कर नियमानुसार ग्रेड निर्धारण किया जा सके।
16. मूल्यांकन पत्रक/प्रश्न पत्र के प्रथम पृष्ठ पर ग्रेड लिस्ट दी गयी है जिसमें अधिगम सूचकों का अंकभार अंकित कर अन्त में योग होगा। इसके साथ ही निर्धारित कॉलम में संबंधित अधिगम सूचक में प्राप्त अंक व ग्रेड दर्ज हेतु निर्धारित कॉलम में किया जाएगा। यह ग्रेड विभाग द्वारा निर्धारित व्यवस्था के अनुसार दिये जाएगें।
17. ग्रेड का निर्धारण 5 पौइन्ट स्केल के आधार पर निम्नानुसार किया जाएगा।

ग्रेड का निर्धारण

A+	A	B	C	D
91-100	76-90	61-75	41-60	0-40

18 मूल्यांकन पत्रक/प्रश्न पत्र के अंत में पर्याप्त रिक्त स्थान रखा जाए ताकि प्रश्न का उत्तर गलत होने/अधूरा रहने की स्थिति में उस रिक्त स्थान (Blank Space) का उपयोग किया जा सके।